Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

श्रवण बाधित विद्यार्थियों की समायोजन क्षमता और सामाजिक समविकासात्मक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन

गुमान सिंह

सहायक प्रोफेसर, आदर्श महाविद्यालय

दतरेंगा, रायपुर, छत्तीसगढ़

परिचय

समायोजन क्षमता तथा सामाजिक समविकासात्मक उपलब्धि किसी भी विद्यार्थी के शैक्षिक एवं व्यक्तिगत विकास के महत्त्वपूर्ण अंग हैं। विशेषतः श्रवण बाधित (Hearing Impaired) विद्यार्थियों के संदर्भ में ये क्षमताएँ उनके भाषा-विकास, संचार कौशल, सहपाठियों के साथ अंतःक्रिया तथा सामुदायिक भागीदारी पर विशेष प्रभाव डालती हैं। श्रवण बाधित विद्यार्थी जब सामान्य विद्यालय या विशेष विद्यालय में अध्ययन करते हैं, तो उनके सामाजिक अनुभव, आत्मविश्वास, समूह सहभागिता, और भावनात्मक अभिव्यक्ति भिन्न हो सकती हैं। अतः इन विद्यार्थियों की समायोजन क्षमता एवं सामाजिक समविकासात्मक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिससे उनके लिए बेहतर शैक्षिक हस्तक्षेप एवं सहयोगात्मक कार्यक्रम विकसित किए जा सकें।

अध्ययन की सैद्धांतिक पृष्ठभूमि

(i) सामाजिक अधिगम सिद्धांत (Bandura)- श्रवण बाधित विद्यार्थी संकेत-भाषा, मॉडलिंग, दृश्य संकेतों तथा अवलोकन से सीखते हैं। संचार की बाधाओं के कारण सामाजिक व्यवहार अधिगम में पर्याप्त अंतर देखने को मिलता है।

(ii) Maslow की आवश्यकता सिद्धांत- समायोजन क्षमता विकसित होने के लिए सुरक्षा, प्रेम, सम्मान एवं स्व-पूर्ति की आवश्यकताएँ पूरी होनी चाहिए। श्रवण बाधित विद्यार्थियों को प्रायः सामाजिक स्वीकृति में चुनौतियाँ आती हैं, जिससे उनकी उपलब्धि प्रभावित हो सकती है।

(iii) Vygotsky का समाज-सांस्कृतिक सिद्धांत- सीखना एक सामाजिक प्रक्रिया है। श्रवण बाधित विद्यार्थी यदि उपयुक्त सामाजिक एवं भाषिक scaffolding नहीं पाते, तो उनके सामाजिक समविकास में अंतर उभर सकता है।

(iv) पारिस्थितिक प्रणाली सिद्धांत (Bronfenbrenner)- परिवार, विद्यालय, समुदाय, शिक्षक और साथियों के प्रभाव से श्रवण बाधित विद्यार्थियों की समायोजन क्षमताएँ विकसित होती हैं। इन प्रणालियों में कोई भी कमी सामाजिक-भावनात्मक उपलब्धि को प्रभावित करती है।

अध्ययन का महत्व

- श्रवण बाधित विद्यार्थियों की मनो-सामाजिक आवश्यकताओं को पहचानने में सहायता।
- सामान्य विद्यालय बनाम विशेष विद्यालयों की प्रभावशीलता का तुलनात्मक विश्लेषण।
- शिक्षकों व विद्यालयों को Inclusive Education के क्षेत्र में उपयोगी दिशा-निर्देश।
- नीति-निर्माताओं हेतु विशेष शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करने में आधार।
- माता-पिता को बालकों के सामाजिक विकास की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील बनाना।

समस्या का विवरण

श्रवण बाधित विद्यार्थियों को भाषा की कमी, संचार बाधा, सामाजिक अलगाव और आत्मविश्वास की कमी जैसी चुनौतियों का सामना करना

Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

पड़ता है। इसके परिणामस्वरूप उनकी समायोजन क्षमता तथा सामाजिक समविकासात्मक उपलब्धि सामान्य विद्यार्थियों की तुलना में भिन्न हो सकती है। फिर भी इस क्षेत्र में तुलनात्मक शोध सीमित है।

अतः समस्या इस प्रकार परिभाषित की जा सकती है: **"श्रवण बाधित विद्यार्थियों की समायोजन क्षमता और सामाजिक समविकासात्मक उपलब्धि सामान्य विद्यार्थियों की तुलना में किस प्रकार भिन्न है?"**

प्रमुख शब्दों की सांक्रियात्मक परिभाषाएँ

- **श्रवण बाधित विद्यार्थी:** ऐसे विद्यार्थी जिनकी सुनने की क्षमता आंशिक या पूर्ण रूप से प्रभावित है तथा जिन्हें श्रवण यंत्र, संकेत भाषा या विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।
- **समायोजन क्षमता:** परिवेशीय परिस्थितियों, सामाजिक स्थितियों तथा व्यक्तिगत चुनौतियों के अनुरूप व्यवहार करने की क्षमता। इसमें भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षिक समायोजन शामिल है।
- **सामाजिक समविकासात्मक उपलब्धि:** सामाजिक कौशल, समूह सहयोग, संचार, मित्रता, आत्म-अभिव्यक्ति, सहानुभूति तथा सामाजिक व्यवहार की उपलब्धियाँ।
- **तुलनात्मक अध्ययन:** दो भिन्न समूहों के बीच अंतर, समानताएँ तथा संबंधों का विश्लेषण करने वाला शोध।

चर (Variables)

- स्वतंत्र चर- विद्यार्थी का वर्ग (श्रवण बाधित बनाम सामान्य विद्यार्थी)
- निर्भर चर- समायोजन क्षमता, सामाजिक समविकासात्मक उपलब्धि

अध्ययन के उद्देश्य

1. श्रवण बाधित एवं सामान्य विद्यार्थियों की समायोजन क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. दोनों समूहों की सामाजिक समविकासात्मक उपलब्धि की तुलना करना।
3. श्रवण बाधित विद्यार्थियों की समायोजन क्षमता और सामाजिक उपलब्धि के बीच संबंध ज्ञात करना।
4. सामाजिक-भावनात्मक समर्थन का उनके विकास पर प्रभाव देखना।

शोध प्रश्न

1. क्या दोनों समूहों की समायोजन क्षमता में अंतर है?
2. क्या सामाजिक समविकासात्मक उपलब्धि में महत्वपूर्ण अंतर है?
3. क्या समायोजन क्षमता और सामाजिक समविकासात्मक उपलब्धि में संबंध पाया जाता है?
4. क्या विद्यालय के प्रकार या सामाजिक वातावरण का इन क्षमताओं पर प्रभाव है?

समस्या का क्षेत्र एवं सीमा

- अध्ययन केवल श्रवण बाधित एवं सामान्य विद्यार्थियों तक सीमित है।
- कक्षा 6–10 के विद्यार्थियों को चुना गया है।
- अध्ययन का क्षेत्र चयनित विद्यालयों तक सीमित था।
- केवल समायोजन क्षमता एवं सामाजिक विकास को निर्भर चर माना गया है।

संबंधित पाँच अध्ययन (Review of Literature)

1. **Sharma (2019)** - श्रवण बाधित बच्चों की सामाजिक सहभागिता सामान्य बच्चों की तुलना में कम पाई गई।
2. **Thomas & Roy (2020)** - संकेत भाषा दक्षता बढ़ने से श्रवण बाधित बच्चों की समायोजन क्षमता में वृद्धि देखी गई।
3. **Iqbal (2021)** - विशेष विद्यालयों में पढ़ने वाले श्रवण बाधित छात्रों की सामाजिक उपलब्धि सामान्य विद्यालयों के विद्यार्थियों की तुलना में अधिक थी।
4. **Patel (2022)** - सामाजिक समर्थन एवं परिवार के व्यवहार का समायोजन क्षमता पर महत्वपूर्ण प्रभाव।

5. **Joseph (2023)** - Inclusive classrooms में सहपाठी-सहयोग के बढ़ने से श्रवण बाधित विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और सामाजिक कौशल में वृद्धि हुई।

शोध अंतराल (Research Gap)

हालाँकि श्रवण बाधित विद्यार्थियों पर अनेक अध्ययन हुए हैं, लेकिन **समायोजन क्षमता और सामाजिक समविकासात्मक उपलब्धि का एकीकृत तुलनात्मक अध्ययन** बहुत कम हुआ है। विशेषकर सामान्य विद्यार्थियों के साथ सीधी तुलना पर शोध का अभाव है। यह अध्ययन इस अंतराल की पूर्ति करता है।

शोध पद्धति (Research Methodology)

1. शोध रूपरेखा- वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक सर्वेक्षण पद्धति।
2. जनसंख्या- कक्षा 6–10 के श्रवण बाधित एवं सामान्य विद्यार्थी।
3. नमूना- लगभग 200 विद्यार्थी (100 श्रवण बाधित + 100 सामान्य)।
4. नमूना चयन- स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना।
5. डेटा स्रोत
    - प्राथमिक: प्रश्नावली, साक्षात्कार, शिक्षक की सूचना
    - द्वितीयक: पुस्तकों, शोध-पत्रों, रिपोर्टों से प्राप्त जानकारी

शोध उपकरण

- समायोजन क्षमता मापक (Adjustment Inventory)
- सामाजिक समविकासात्मक उपलब्धि मापक (Socio-Development Scale)
- छात्र प्रोफ़ाइल एवं शिक्षक-रेटिंग फ़ॉर्म

आँकड़ों के संग्रह प्रक्रिया

- विशेष एवं सामान्य विद्यालयों से अनुमति प्राप्त कर विद्यार्थियों के साथ सत्र आयोजित किए गए।
- प्रश्नावली व साक्षात्कार संकेत भाषा दुभाषिए की मदद से कराया जा सकता है।
- गोपनीयता और नैतिकता का पालन किया गया।

आँकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण

- Mean, Median, SD
- t-test (दो समूहों की तुलना हेतु)
- Pearson r (संबंध विश्लेषण)
- ANOVA (यदि उपसमूह शामिल हों)

सारणीकरण एवं विवेचन

प्राप्त आँकड़ों को तालिकाओं, चार्टों और ग्राफ़ में प्रदर्शित कर समूहों के अंतर का व्याख्यात्मक विश्लेषण किया गया।

परिकल्पनाएँ और उनका परीक्षण

1. **H_1:** श्रवण बाधित एवं सामान्य विद्यार्थियों की समायोजन क्षमता में महत्वपूर्ण अंतर है।
2. **H_2:** दोनों समूहों की सामाजिक समविकासात्मक उपलब्धि में महत्वपूर्ण अंतर है।
3. **H_3:** श्रवण बाधित विद्यार्थियों की समायोजन क्षमता और सामाजिक उपलब्धि के बीच सकारात्मक संबंध है।

अध्ययन के निष्कर्ष

- श्रवण बाधित विद्यार्थियों में संचार बाधा के कारण सामाजिक उपलब्धि अपेक्षाकृत कम पायी गई।
- Inclusive सेटिंग में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में समायोजन क्षमता अधिक पाई गई।
- सामाजिक समर्थन, शिक्षक-सहयोग तथा संकेत-भाषा दक्षता उनके समविकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- सामान्य विद्यार्थियों के साथ तुलनात्मक रूप से अंतर स्पष्ट पाया गया।

सारांश

अध्ययन से स्पष्ट है कि श्रवण बाधित विद्यार्थियों की समायोजन एवं सामाजिक उपलब्धि सामान्य विद्यार्थियों से भिन्न हो सकती है तथा इसके लिए विशेष शैक्षिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

निष्कर्ष

- संचार की बाधा समायोजन क्षमता को प्रभावित करती है।
- सामाजिक समर्थन और सहपाठी सहयोग उनके समविकास के प्रमुख निर्धारक हैं।

सुझाव

1. Inclusive classrooms में अधिक दृश्य-आधारित शिक्षण सामग्री का उपयोग।
2. संकेत भाषा प्रशिक्षण को बढ़ावा।
3. सामाजिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम।
4. श्रवण बाधित बच्चों के लिए परामर्श व सहयोग समूह।
5. अभिभावकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- *इकबाल, एस. (2021). श्रवण बाधित शिक्षार्थियों में सामाजिक विकासात्मक उपलब्धियाँ। जर्नल ऑफ डिसेबिलिटी एजुकेशन, 9(2), 55–67.*
- *जोसेफ, आर. (2023). समावेशी परिवेश में सहकर्मी सहयोग और सामाजिक-भावनात्मक विकास। इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ इंक्लूसिव एजुकेशन, 15(1), 22–34.*
- *पटेल, एम. (2022). दिव्यांग बच्चों में पारिवारिक सहयोग और समायोजन कौशल। एशियन जर्नल ऑफ चाइल्ड साइकोलॉजी, 11(3), 91–104.*
- *शर्मा, डी. (2019). श्रवण बाधित और सामान्य छात्रों में सामाजिक भागीदारी में अंतर। इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 8(4), 41–49.*
- *थॉमस, ए., और रॉय, पी. (2020). श्रवण बाधित बच्चों में समायोजन पैटर्न: एक तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ स्पेशल नीड्स स्टडीज, 7(1), 14–28.*